ALIF LAAM MEEM
A PUBLICATION OF
MS RESEARCH FOUNDATION

हिंदी सीखो

पाठमाला

४

TERM - 1

एकीकृत मूल्य आधारित पाठ्यक्रम

मिल्लत फ़ाउंडेशन

MFERD

फ़ॉर एजूकेशन रिसर्च एंड डेवलपमेंट

रेखांकरण

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 के परिच्छेद

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा २००५ का संग्रहित विश्लेषण

यह एक तथ्य है कि शिक्षा प्राप्ति के जो तरीक़े अपनाए गए हैं वे छात्रों एवं माता-पिता पर बोझ बनते जा रहे हैं। इस लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा २००५ ने पाँच मार्गदर्शक नियमों का प्रस्ताव प्रस्तुत किया है।

(i) शिक्षा को पाठशाला के बाहर की दुनिया से जोड़ना ।
(ii) सीखते समय रटने की विधि के हटाने को सुनिश्चित बनाना।
(iii) पाठ्य पुस्तकों के अतिरिक्त पाठ्यक्रम की समृद्धि
(iv) परीक्षा को लचकदार बनाना और कक्षा को जीवन से जोड़ना
(v) संवेदना पूर्ण पोषण एवं चिन्ताशील लोकतंत्र की सुरक्षा के लिए पहचान बनाना।

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूप रेखा २००५ शिक्षात्मक दृष्टि से।

एक बहुसांस्कृतिक समाज को शिक्षा, मूल्य, मानवता सहनशीलता तथा शांति को बढ़ावा देने योग्य होना चाहिए। राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूप रेखा के भीतर एक ऐसा ढांचा तत्पर किया गया है जो अध्यापकों और पाठशालाओं के अनुभव को प्रयोग में लाते हुए छात्रों की सोच के अनुरूप हो।

इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए पाठ्यक्रम अनुभव के आधार पर तैयार होना चाहिए। परन्तु इस के मुख्य प्रश्न कुछ इस प्रकार हैं।

(i) क्या पाठशाला शिक्षात्मक उद्देश्य को वांछित रूप से पूरा करने का प्रयास कर रहा है?
(ii) शिक्षात्मक उद्देश्य की प्राप्ति हेतु क्या अवलोकन किया जाना चाहिए।
(iii) इन शिक्षात्मक अवलोकनों को भाववाहक ढंग से किस प्रकार संगठित बनाया जा सकता है?
(iv) वांछित शिक्षात्मक उद्देश्य के समापन को किस प्रकार सुनिश्चित बनाया जाए?

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूप रेखा २००५ के शिक्षात्मक मार्गदर्शक नियम

बढ़ती आयु के साथ-साथ बालक अपने वातावरण से प्राकृतिक रूप से भिन्न कौशल प्राप्त कर लेते हैं। इस के अतिरिक्त वे अपने आस-पास के वातावरण और जीवन का भी अनुसरण करते हैं। जब वे कक्षा में प्रवेश करते हैं तो उन के प्रश्न पाठ्यक्रम को स्थिर और अधिक रचनात्मक बना सकते हैं। ऐसे सुधार स्वीकृत पाठ्यक्रम नियमों के चलन में सहायक होते हैं जो ज्ञात से अज्ञात, तथ्य से कल्पना तथा क्षेत्रीय से वैश्विक की ओर ले जाते हैं।

एम एफ़ ई आर डी की पुस्तकें राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूप रेखा के मार्गदर्शक नियमों पर तैयार की गई हैं। हम चाहते हैं कि NCF की ओर से बनाए गए शिक्षात्मक उद्देश्य के कार्यान्वयन में न केवल हमारे छात्र अपनी पूर्ण भूमिका निभाएँ बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में ईमानदार तथा उत्तरदायी नागरिक बनें । हम गंभीरता एवं विश्वास के साथ इस पाठ्यक्रम पर चले तो छात्रों का व्यक्तित्व निखरेगा जो आगे चल कर दूसरों के लिए सर्वश्रेष्ठ मार्गदर्शन सिद्ध होगा।

एम.एफ़.ई.आर.डी के दृष्टिकोण को जानने हेतु कृपया आप पुस्तक के पिछले पृष्ठ का अध्ययन करें।

परिचय

मिल्लत फ़ाउंडेशन फॉर एजूकेशन रिसर्च एंड डेवलपमेंट एक संगठन है जो प्रसार, समन्वय, सहयोग, सहकारिता एवं मुस्लिम शैक्षिक संस्थाओं को एक सार्वजनिक मंच प्रदान करने हेतु स्थापित किया गया है। इस प्रकार इस्लामी संविधान की सीमाओं में रहते हुए शैक्षिक मैदान में व्यक्तिगत एवं संस्थाओं द्वारा उत्कृष्टता प्राप्त करना है।

एम.एफ.ई.आर.डी का उद्देश्य शोध एवं विकास के माध्यम से भिन्न प्रकार की ऐसी चुनौतियों को संबोधित करना एवं उनका समाधान खोजना है जिनका शैक्षिक संगठन सामना कर रहे हैं। इस का एक प्रमुख कार्यक्रम पाठशाला तथा विद्यालय के लिए मूल्य पर आधारित पाठ्यक्रम तत्पर करना है जो भविष्य की पीढ़ी को विशिष्टता के लिए तैयार कर सके।

पाठ्यक्रम सीखने एवं अनुभव करने हेतु जिस के माध्यम से छात्र शिक्षाविदों, गतिविधियों, सीखने के वातावरण, मूल्यांकन, पारस्परिक वार्तालाप जैसे समूह कार्य छात्र अध्यापकों के साथ पाठशाला में प्रवेश के पश्चात से बाहर आने तक करता है। कई वर्ष बच्चे के मनोविज्ञान, शिक्षा में इस्लामी परिप्रेक्ष्य एवं भिन्न पाठ्यक्रमों की समीक्षा के पश्चात् एम.एस रिसर्च फ़ाउंडेशन ने मूल्य पर आधारित पाठ्यक्रम बनाया है जो राष्ट्रीय पाठ्यक्रम ढांचे एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के अनुकूल है। यह बच्चों के संपूर्ण विकास, स्वयं की पहचान, समय की आवश्यकता तथा उस को भविष्य का मार्ग-दर्शक बनाने में सहयोग देगा।

निम्नलिखित पर आधारित

- उद्देश्य इस्लाम, मनोविज्ञान, शिक्षा तथा हितैशियों के अनुसार।
- पाठ्य-विवरण आयु तथा सरकारी स्तर के अनुकूल।
- कार्यप्रणाली जो छात्र केंद्रित तथा विषय के उपयुक्त साधन में अध्यापकों का प्रशिक्षण, शिक्षण में सहयोगी सामग्री एवं शिक्षक का मार्ग-दर्शन शामिल है।

- मूल्यांकन - रचनात्मक, योगात्मक, स्वयं, सह-शैक्षिक, व्यवहारवादी एवं दीर्घकालिक।
- गतिविधियाँ - पाठ्यक्रमिक, सह-पाठ्यक्रमिक तथा अतिरिक्त पाठ्यक्रमिक, आयोजन के लिए दिशा निर्देशन के साथ।
- समय बद्धता - तिथिपत्र, दिन-वर्ष की योजना, काम का बोझ, अवधि विभाजन तथा प्रतियोगिताएँ।
- अवलोकन - प्रतिक्रिया एवं अनुसंधान।

सेन्ट्रल अकेडमी फ़ॉर रिसर्च एंड डेवलपमेंट (CARD)

(केन्द्रित प्रशिक्षण शाला विकास एवं शोध खंड) की स्थापना परियोजना बनाने, प्रशिक्षण देने तथा विभिन्न पाठशालाओं के सभी स्तरों पर पाठ्यक्रम के कार्यान्वयन के निरीक्षण हेतु की गई है।

विषय सूची

क्रम	पाठ का नाम	पृष्ठ संख्या
१.	पुनरावृत्ति	१ - ५
२.	हमारे नबी (कविता)	६ - १०
३.	बिल्ली ख़ाला का हज (वार्तालाप)	११ - १६
४.	बेगम हज़रत महल (ऐतिहासिक कथा)	१७ - २१
५.	आम का पेड़ (कविता)	२२ - २६
६.	स्वर्ग में भवन (शिक्षा प्रद कथा)	२७ - ३४
७.	जवाहर लाल नेहरु (जीवनी)	३५ - ४१
८.	अब्बू-अब्बू दाढ़ी रख लें (कविता)	४२ - ४७
९.	न्याय (ऐतिहासिक कथा)	४८ - ५३

भाषा की योग्यता और कौशल

क्र.स.	पाठ का नाम	विधा	सुनना बोलना, समझना और पढ़ना	लिखना	शब्द कोश/व्याकरण	दृश्य श्रव्य कौशलों का विकास	मूल्य
1)	संयुक्ताक्षर, द्वित्ताक्षर, 'ऋ', 'र' के प्रकार	आधे अक्षर और 'ऋ' 'र' के प्रकारों का अन्तर समझाना।	शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ाना	प्रकारों को ध्यान में रखते हुए लिखवाना।	संयुक्त शब्दों के अर्थ और उसका उपयोग समझाना।	अधिक से अधिक शब्दों से परिचय करवाना।	संयुक्त अक्षर द्वित्ताक्षर 'ऋ' 'र' के प्रकारों को स्पष्ट रूप से समझेगा।
2)	हमारे नबी	कविता	कविता को शुद्ध शब्दोच्चारण में लय के साथ प्रभावशाली ढंग से पढ़ना, प्रश्नों के उत्तर देना तथा कविता को कंठस्थ करना।	प्रश्नोत्तर, रिक्त स्थान भरिए, विकल्प प्रश्न, कविता का भाव परियोजना कार्य।	शब्द-बल, तुकान्त शब्द, विलोम, पर्यायवाची शब्द।	प्यारे नबी के कार्य और सीख से सम्बन्धित प्रश्नोत्तर मौखिक रूप में।	प्यारे नबी की सीख को जीवन में लाना, इस्लाम के पाँच स्तम्भों का महत्व बताना।
3)	बिल्ली ख़ाला का हज	वार्तालाप	पाठ को छात्राओं द्वारा शुद्ध उच्चारण में पढ़वाना एवं कठिन शब्दों के अर्थ को मित्रों द्वारा चर्चा करवाना।	परियोजना कार्य।	शब्द बल, भिन्नार्थ मुहावरे, पर्यायवाची, वचन, क्रिया।	पात्रों द्वारा कहानी का अभिनय कराकर उसको समझाना।	ईर्ष्या, हसद से बचना, किसी का विश्वास जीतकर विश्वासघात नहीं करना।
4)	बेगम हज़रत महल	ऐतिहासिक कथा	विराम चिह्नों का प्रयोग करते हुए पढ़ना एवं पाठ को समझना।	प्रश्नोत्तर	शब्दबल, वर्णमाला का ज्ञान, पुनरुक्ति शब्द, विपरीत शब्द, शब्द समूह	एतिहासिक वीर सेनानियों की चर्चा, वीरांगनाओं के चार्ट द्वारा ज्ञान देना।	कठिन विपत्तियों का वीरता से सामना करना एवं स्वाभिमान की रक्षा करना।
5)	आम का पेड़	कविता	कविता को स्पष्ट ध्वनि में आरोह-अवरोह के साथ पढ़ना एवं कविता को कंठस्थ करना।	प्रश्नोत्तर, पंक्तियों को पूरा कीजिए।	शब्द बल, जोड़ियाँ बनाइए, वाक्य बनाइए, विलोम शब्द, पर्यायवाची शब्द, योजक।	छात्रों से पेड़ मंगवाकर पेड़ की विशेषताओं के सम्बन्ध में चर्चा करना।	पेड़ों का महत्व, पेड़ लगाने पर बल।
6)	स्वर्ग में भवन	शिक्षा प्रद कथा	पाठ को पढ़ते समय छात्रों की त्रुटियों को सुधारना, विराम चिह्नों को ध्यान में रखना, पाठ को समझना।	प्रश्नोत्तर, परियोजना कार्य	शब्द बल, उपसर्ग, अनुनासिक, अनुस्वार, विलोम शब्द, भिन्नार्थ भाषा-भेद।	सेवा के सम्बन्ध में बताना, माता-पिता का महत्व, प्रश्नोत्तर मौखिक रूप में पूछना।	इस्लाम में अभिभावक का स्तर एवं उनकी सेवा के परिणाम।
7)	जवाहर लाल नेहरू	जीवनी	विराम-चिह्नों का प्रयोग करते हुए स्पष्ट वाणी में पढ़ना	प्रश्नोत्तर	भिन्नार्थ, युग्म, विलोम, समानार्थी, वचन, मुहावरे।	नेहरूजी की प्रेरक कथाओं एवं बच्चों से प्रेम के सम्बन्ध में कक्षा में चर्चा करना।	नेहरू जी में पारस्परिक प्रेम, उदार भावना, सहानुभूति पूर्ण व्यावहार एवं बच्चों से प्रेम भाव।
8)	अब्बू-अब्बू दाढ़ी रख लें।	कविता	कविता को शुद्ध शब्दोच्चारण में लय के साथ पढ़िए।	'हाँ' या 'नहीं', उत्तर दो, रिक्त स्थान भरिए।	ध्वनि साम्य, पर्यायवाची, विलोम शब्द।	सुन्नतों पर कक्षा में बताना और जीवन में लाने का आदेश देना।	नबी (स) के व्यक्तित्व से जीवन में परिवर्तन।
9)	न्याय	(ऐतिहासिक कथा)	पाठ को पढ़ना एवं समझना पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रश्नोत्तर	विराम चिह्न, शब्द समूह, विपरीतार्थी।	छात्रों को पाठ संवाद रूप में कक्षा में पढ़वाना एवं पढ़ते समय उतार चढ़ाव व विराम-चिह्नों पर बल देना।	वचन का पालन, न्याय का महत्व।

अवधान (Involve)

छात्रों को भावुक रूप से उनके किसी अनुभव से जोड़ना जो पाठ के केन्द्रित विचारों से संबंधित हो।

अध्ययन (Read)

अध्ययन में गद्य एवं पद्य के पाठ सम्मिलित किए गए हैं?

संवेदना (Empathise)

पाठ के चलते छात्रों का ध्यान बनाए रखने एवं वे स्वयं को उसी स्थिति में रखकर विचार करने हेतु प्रश्न करना।

स्वर्ग में भवन

६

(शिक्षाप्रद कथा)

अवधान (Involve) लोक और परलोक की सफलता के लिए हमें क्या करना चाहिए?

अध्ययन (Read)

शहर में मंसूर नाम का एक व्यक्ति था । उसने अपने परिवार के लिए एक सुन्दर भवन ख़रीदा था। परिवार में मंसूर की पत्नी, दो बच्चे एवं वृद्ध पिता थे। वे भवन में बड़ी प्रसन्नता के साथ रहने लगे। मंसूर का पाँच वर्षीय पुत्र हसन पाठशाला जाने लगा। दो वर्षीय पुत्री मारिया मीठी-मीठी बातें करने लगी। घर में हर ओर ख़ुशियाँ ही ख़ुशियाँ थीं।

अभी कुछ माह ही व्यतीत हुए थे कि मंसूर के पिता को कोई गंभीर रोग लग गया। अच्छी चिकित्सा एवं औषधि देने के बाद भी उन की दशा बिगड़ती चली गई। वह रात भर पीड़ा के कारण कराहते रहते थे। यह बात मंसूर और उस की पत्नी के लिए कष्टदायक हो गई। उनकी निद्रा में बाधा पड़ने लगी। उन्होंने विचार किया कि इसका क्या उपाय होना चाहिए।

संवेदना (Empathise) मंसूर अपना कष्ट दूर करने के लिए क्या करेगा?

भवन में द्वार के निकट एक कोठरी थी जिस में पहरे दार रहा करता था। पत्नी ने उपाय सुझाया कि "क्यों न हम पिताजी का बिस्तर पहरे दार की कोठरी में कर दें"।

जिसे मंसूर ने तुरन्त स्वीकार कर लिया। वृद्ध पिता को कोठरी में पहुँचा कर पति-पत्नी बिना किसी बाधा के निद्रा का आनन्द लेने लगे। मंसूर के पास एक कुत्ता था जो रात्रि में भवन की सुरक्षा के लिए छोड़ दिया जाता था। जब वे इस नए भवन में आए तो उन्होंने द्वार के निकट एक

दूसरी कोठरी कुत्ते के लिए भी बना दी। कुत्ता दिन भर इस में बन्द रहता।

नन्हा हसन प्रतिदिन पाठशाला जाता और वापसी पर प्यारी-प्यारी बातें सुनाता था।

एक दिन नन्हा हसन अपने कमरे में बैठा भिन्न प्रकार की ड्राइंग बना रहा था। उस ने कुछ रेखाएं खींच कर एक भवन का चित्र बनाया था। पिता जी ने बड़े प्रेम भाव से पूछा, बेटा! यह क्या है?

हसन ने उत्तर दिया, यह मेरा भवन है। तब मंसूर ने ध्यान से देखा । उस भवन में तीन कमरे थे।

मंसूर ने प्रश्न किया, "ये तीन कमरे किसके हैं?"

नन्हे हसन ने उत्तर दिया। एक मेरा विश्राम का कमरा है, दूसरा अध्ययन का और तीसरा खेलने का।

मंसूर ने द्वार के निकट एक कोठरी देखी और पूछा, "क्या यह कुत्ते का घर है?"

नहीं, हसन ने कहा।

मैं अपने घर में कुत्ता नहीं रखूंगा। हमारे अध्यापक ने बताया जिस घर में कुत्ता हो उस में रहमत के फ़रिश्ते नहीं आते।

मंसूर ने पूछा, फिर यह क्या है?

नन्हे हसन ने उत्तर दिया, "यह आप का कमरा है।"

जिस में आप दादा जी की तरह विश्राम करेंगे।

संवेदना (Empathise) हसने की बात सुनकर मंसूर ने क्या किया होगा?

यह सुनते ही मंसूर के हृदय पर बिजली सी गिर पड़ी। वह बच्चे की बात सुनकर दंग रह गया। उसे अपनी करनी का आभास हुआ। उसे ऐसा प्रतीत हुआ कि अगर वह ग़लती करेगा तो आख़िरत में भी उसे इसका बदला मिलेगा। मंसूर ने किसी से कुछ नहीं कहा। दूसरे ही दिन उस ने

चिंतन (Contemplate)

चिन्तन – मनन द्वारा छात्रों में समझने की योग्यता, वास्तविकता की पहचान, उनसे परिणाम निकालना तथा प्रश्न के उत्तर देना है?

वार्तालाप (Communicate)

वार्तालाप द्वारा छात्रों मे सुनने और बोलने की क्षमता तथा विचार प्रकट करने की रूचि उत्पन्न करना है।

विश्लेषण (Reflect)

विश्लेषण द्वारा छात्रों में पाठ के शीर्षक की समझ तथा उसके उद्देश्य का ज्ञान युक्तिपूर्ण रूप से कराना है।

विकास (Evolve)

आत्म विश्वास के साथ जीवन की कठिनाइयों का सामना करने की योग्यता उत्पन्न करना है।

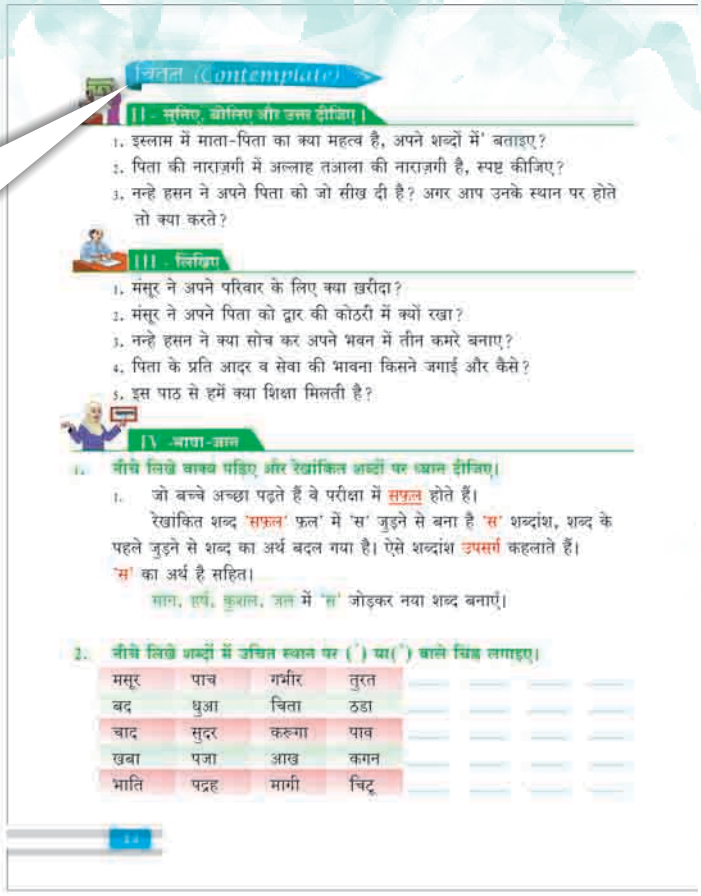

चिंतन (Contemplate)

II - सुनिए, बोलिए और उत्तर दीजिए।

1. इस्लाम में माता-पिता का क्या महत्व है, अपने शब्दों में बताइए?
2. पिता की नाराज़गी में अल्लाह तआला की नाराज़गी है, स्पष्ट कीजिए?
3. नन्हे हसन ने अपने पिता को जो सीख दी है? अगर आप उनके स्थान पर होते तो क्या करते?

III - लिखिए

1. मंसूर ने अपने परिवार के लिए क्या ख़रीदा?
2. मंसूर ने अपने पिता को द्वार की कोठरी में क्यों रखा?
3. नन्हे हसन ने क्या सोच कर अपने भवन में तीन कमरे बनाए?
4. पिता के प्रति आदर व सेवा की भावना किसने जगाई और कैसे?
5. इस पाठ से हमें क्या शिक्षा मिलती है?

IV -भाषा-ज्ञान

1. नीचे लिखे वाक्य पढ़िए और रेखांकित शब्दों पर ध्यान दीजिए।

1. जो बच्चे अच्छा पढ़ते हैं वे परीक्षा में सफ़ल होते हैं।

रेखांकित शब्द 'सफ़ल' फ़ल' में 'स' जुड़ने से बना है 'स' शब्दांश, शब्द के पहले जुड़ने से शब्द का अर्थ बदल गया है। ऐसे शब्दांश उपसर्ग कहलाते हैं। 'स' का अर्थ है सहित।

साग, अर्थ, कुशल, जल में 'स' जोड़कर नया शब्द बनाएँ।

2. नीचे लिखे शब्दों में उचित स्थान पर (ं) या (ँ) वाले चिह्न लगाइए।

मसूर	पाच	गभीर	तुरत
बद	धुआ	चिता	ठडा
चाद	सुदर	करुगा	पाव
खबा	पजा	आख	कगन
भाति	पद्रह	मागी	चिट्

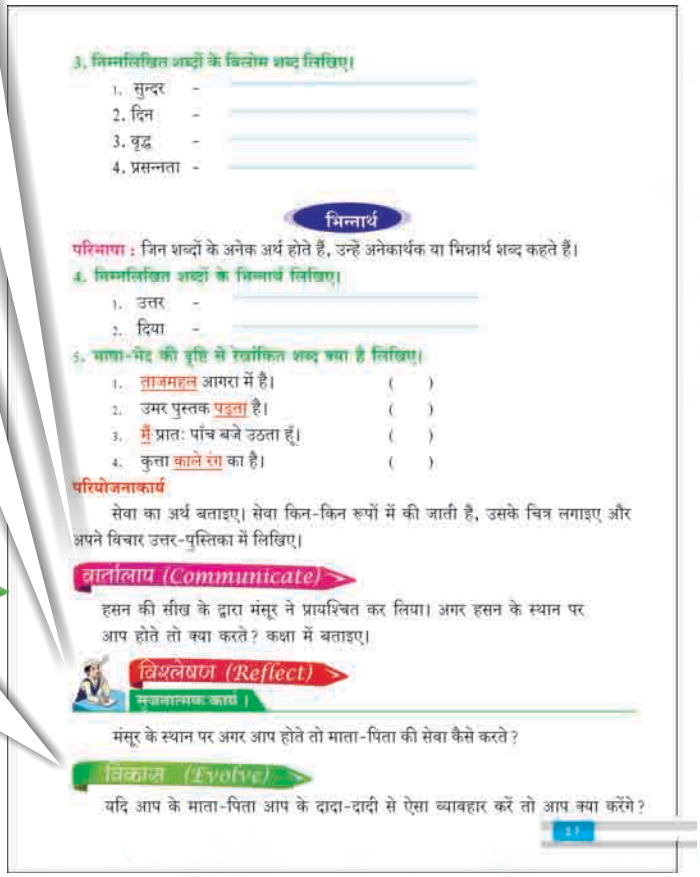

3. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए।

1. सुन्दर -
2. दिन -
3. वृद्ध -
4. प्रसन्नता -

भिन्नार्थ

परिभाषा : जिन शब्दों के अनेक अर्थ होते हैं, उन्हें अनेकार्थक या भिन्नार्थ शब्द कहते हैं।

4. निम्नलिखित शब्दों के भिन्नार्थ लिखिए।

1. उत्तर -
2. दिया -

5. भाषा-भेद की दृष्टि से रेखांकित शब्द क्या है लिखिए।

1. ताजमहल आगरा में है। ( )
2. उमर पुस्तक पढ़ता है। ( )
3. मैं प्रातः पाँच बजे उठता हूँ। ( )
4. कुत्ता काले रंग का है। ( )

परियोजनाकार्य

सेवा का अर्थ बताइए। सेवा किन-किन रूपों में की जाती है, उसके चित्र लगाइए और अपने विचार उत्तर-पुस्तिका में लिखिए।

वार्तालाप (Communicate)

हसन की सीख के द्वारा मंसूर ने प्रायश्चित कर लिया। अगर हसन के स्थान पर आप होते तो क्या करते? कक्षा में बताइए।

विश्लेषण (Reflect)

सृजनात्मक कार्य।

मंसूर के स्थान पर अगर आप होते तो माता-पिता की सेवा कैसे करते?

विकास (Evolve)

यदि आप के माता-पिता आप के दादा-दादी से ऐसा व्यावहार करें तो आप क्या करेंगे?

पुनरावृत्ति

१

क. पढ़ो और जानो।

बच्चो! यह चार्ट हिंदी वर्णमाला का है। इन में से अक्षरों को चुनकर तीन-तीन शब्द बनाइए।

स्वर - अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ
अं अः

व्यंजन - क ख ग घ ङ
च छ ज झ ञ
ट ठ ड ढ ण
त थ द ध न
प फ ब भ म
य र ल व श
ष स ह

संयुक्त अक्षर- क्ष त्र ज्ञ श्र

दो वर्ण वाले	तीन वर्ण वाले	चार वर्ण वाले

संयुक्ताक्षर, द्वित्ताक्षर, 'र' के प्रकार

(\) इसे हलन्त या हल चिह्न कहते हैं। किसी भी अक्षर के नीचे हलन्त लगाने से उस अक्षर से स्वर अलग हो जाता है और वह अक्षर आधा हो जाता है।

अर्थात् उस अक्षर में स्वर नहीं होता। उदाहरणः क् + अ = क

स्वर निकालने पर अक्षर आधा होता है। उदाहरणः क् - क्‍

जिन अक्षरों को आधा नहीं किया जा सकता, वहाँ हलन्त लगाया जाता है। उदाहरणः ट - ट्

आधे अक्षर का अभ्यास

क	-	क्‍					
ख	-	ख्‍					
ग	-	ग्‍					
घ	-	घ्‍					
च	-	च्‍					
ज	-	ज्‍					
झ	-	झ्‍					

अध्यापन संकेत

नोट : १. जब 'र' किसी वर्ण या अक्षर के नीचे लगता है तो वह पदेन कहलाता है।
२. जब 'र' किसी वर्ण के ऊपर लगता है तो रेफ़ कहलाता है।
३. छात्रों को 'र' के प्रकारों (्) और हलन्त (\) के अन्तर को अच्छी तरह समझाएँ। प्रकार (्) हलन्त (\)

ञ	-	ञ					
ण	-	ण					
त	-	त					
थ	-	थ					
ध	-	ध					
न	-	न					
प	-	प					
फ	-	फ					
ब	-	ब					
भ	-	भ					
म	-	म					
य	-	य					
ल	-	ल					
व	-	व					
ष	-	ष					
श	-	श					
स	-	स					